



Samarth Vikram Singh



Akansha singh

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121657203

पुल्लिंग :	लिंग	स्त्रीलिंग
03/10/1995 :	जन्म तिथि	13/09/1999
मंगलवार :	दिन	सोमवार
घंटे 18:44:00 :	जन्म समय	20:15:00 घंटे
घटी 32:12:57 :	जन्म समय(घटी)	36:20:04 घटी
India :	देश	India
Varanasi :	स्थान	Varanasi
25:20:00 उत्तर :	अक्षांश	25:20:00 उत्तर
83:00:00 पूर्व :	रेखांश	83:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:02:00 :	स्थानिक संस्कार	00:02:00 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:50:49 :	सूर्योदय	05:42:58
17:43:18 :	सूर्यास्त	18:04:50
23:47:59 :	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:57

विंशोत्तरी चन्द्र 8वर्ष 9मा 12दि राहु 17/07/2011 16/07/2029	अंश 07:19:08 16:03:31 11:37:11 23:59:33 19:16:12 17:03:25 27:46:18 26:07:32 02:48:18 02:48:18 02:43:47 28:58:30 04:51:53	राशि मेष कन्या मक तुला कन्या व वृश्चि कन्या कुंभ व तुला व मेष व मक व धनु व वृश्चि	ग्रह लग्न सूर्य चंद्र मंगल बुध गुरु व शुक्र शनि व राहु व केतु व हर्ष व नेप व प्लूटो	राशि मेष सिंह तुला वृश्चि कन्या मेष कर्क कर्क मक मक मक वृश्चि	अंश 11:12:47 26:31:20 10:03:35 13:03:45 00:55:57 10:30:28 25:04:06 23:08:39 18:27:24 18:27:24 19:37:48 07:59:07 14:04:06	विंशोत्तरी राहु 13वर्ष 5मा 1दि गुरु 13/02/2013 13/02/2029	गुरु 03/04/2015 14/10/2017 20/01/2020 26/12/2020 27/08/2023 14/06/2024 14/10/2025 20/09/2026 13/02/2029
--	--	---	---	--	--	--	---

लग्न-चलित

2	के	12	+श
3	1	11	
4	चं	10	
5	रा	7	9
6	+मं	8	
बु	सू	+शु	गु

लग्न-चलित

2	गु	12	
3	1	11	
+शु	श	+के	10
4			
+रा	7	9	
5	चं	8	
+सू	6	मं	
बु			

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि उंतजी टपातंउ पदही का नक्षत्र श्रवण है।

उंतजी टपातंउ पदही का वर्ग मार्जार है तथा Akansha singh का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार उंतजी टपातंउ पदही और Akansha singh का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

उंतजी टपातंउ पदही मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा ।
न मंगली मंगल राहु योग ।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु उंतजी टपातंउ पदही कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Akansha singh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Akansha singh कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि उंतजी टपातंउ पदही कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

उंतजी टपातंउ पदही तथा Akansha singh में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

